THE MINISTER OF STATE OF THE MINSTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI JAGDISH TYTLER): The information is given below:

(Rs. in Crores)

	1984-85	1985-86	1986-87	
	Net profit/loss			
	(+)	(—)		
Air-India	44 69	66 00	22 05	(Budgeted)
Indian Airline	52 84	63 22	41 20	(estimated)
Vayudoot	0 13	(-) 78	0 06	(estimated)

बन्दरगाहों पर माल की सम्भलाई

578. **श्री मीर्जा इर्शादबेग** : क्या **जल-भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश की लघु, मध्यम और बड़ी बंदरगाहों पर सम्भलाई किए गए माल की पृथक्-पृथक् मात्रा क्या है ;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान इनमें से प्रत्येक बन्दरगाह के विकास के लिये कितनी धनराशि आवंटित की गई तथा संबंधित राज्यों द्वारा इस संबंध में कितनी धनराशि की मांग की गई ; और

(ग) हजीरा बन्दरगाह के विकास की क्या योजना है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) देश के विभिन्न लघु, मंझोले और महापत्तनों पर वर्ष 1983-84, 1984-85, और 1985-86 के दौरान हैंडल किए गए कार्गो की मात्रा निम्नलिखित है :—

(हजार टन)

वर्ष	महापत्तन	मंझोले/लघु पत्तन
1983-84	100181	8408
1984-85	106736	9392
1985-86	120039	8621

(ख) देश के विभिन्न पत्तनों में से केन्द्र सरकार महापत्तनों के रूप में घोषित पत्तनों के विकास के लिए सीधे जिम्मेदार है । पिछले तीन वर्षों के दौरान महापत्तनों के विकास के लिए प्रदान किए गए वित्तीय परिव्यय नीचे दिए गए हैं :—

(करोड़ रुपए)

क्रम संख्या	पत्तन का नाम	1984-85 परिव्यय	1985-86 परिव्यय	1986-87 परिव्यय
1	2	3	4	5
1.	(क) कलकत्ता	9.00	7.35	12.00
	(ख) हल्दिया	5.00	5.60	12.15
	(ग) भगीरथी हुगली रिवर ट्रेनिंग वर्क	5.90	6.00	6.00
2.	बंबई	20.74	39.60	52.39
3.	मद्रास	43.81	29.25	14.25

1	2	3	4	5
4.	कोचीन	11.10	13.50	18.21
5.	विशाखापत्तनम . . .	25.02	19.20	16.50
6.	कांडला	10.66	12.80	9.15
7.	मुरगांव	3.98	4.75	7.94
8.	परादीप	15.94	23.85	10.25
9.	टूटीकोरिन	5.31	6.00	5.75
10.	न्यू मंगलर	6.57	8.00	7.50
11.	न्हावा शेवा . . .	30.00	40.00	128.00
	कुल : . .	193.03	215.90	300.09

(ग) हजीरा पत्तन के विकास के लिए केन्द्र सरकार ने कोई योजना नहीं बनाई है, उसकी जिम्मेदारी राज्य सरकार की है ।

राज्यों द्वारा वैगनों की मांग

579. **श्री मीर्जा इर्शादबेग :** क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक राज्य द्वारा स्टीम, कोयले, स्लेक कोयले, बी०पी० प्रिमियम तथा अन्य प्रयोजनों के लिये प्रतिवर्ष कितने वैगनों की मांग की गई तथा यह मांग कितनी पूरी की गई और वैगनों की कमी के क्या कारण हैं तथा वैगनों की मांग को पूरा करने के लिये इस वर्ष और आगामी वर्षों के लिये क्या योजना है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : रेलें कोयले के लदान के लिए माल डिब्बों के आबंटन से संबंधित सूचना राज्यवार नहीं रखती है । उपलब्ध सूचना के आधार पर चार विवरण संलग्न हैं [देखिए परिशिष्ट CXLII अनुपत्र सं० 28] जिनमें प्रत्येक राज्य के लिए निर्धारित अधिकतम सीमा, राज्य सरकारों से प्राप्त सिफारिशें, उपभोक्ताओं द्वारा दिया गया कार्यक्रम, कोल इंडिया द्वारा प्रस्तुत कोयले के विभिन्न ग्रेडों का वास्तविक मात्रा, रेलों द्वारा किया गया आबंटन तथा कोयले की मात्रा के साथ-साथ इसका प्रतिशत दिया गया है ।

रेलें कोल कम्पनियों द्वारा संचलन के लिए उपलब्ध कराये जा रहे समस्त कोयले की ढुलाई कर रही हैं तथा रेल द्वारा कोयले के संचलन के लिए माल डिब्बों की कोई कमी नहीं है । रेलें आगामी वर्षों में कोयले के रेल परिवहन की आवश्यकताओं को पूरा करने में किसी प्रकार की कठिनाई महसूस नहीं करती हैं ।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित स्मारक

580. **श्री मीर्जा इर्शादबेग :** क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश के उन स्मारकों की कुल संख्या क्या है जिनका संरक्षण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किया जा रहा है ;

(ख) दिल्ली के प्राचीन स्मारकों के संरक्षण और उनके आकर्षण के रख-रखाव के लिए कुल कितनी धनराशि आबंटित की गई और क्या यह धनराशि इस कार्य के लिए पर्याप्त है तथा इस कार्य के लिये पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराने के लिये भावी योजनाएं क्या हैं ; और